पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में शैक्षिक योजना, प्रशासन और अंतर-अनुशासन संबंधी विषयों पर एक समृद्ध पुस्तकालय तथा प्रलेखन केंद्र है। न्यूपा इन क्षेत्रों में एक उत्कृष्ट केंद्र है। इसलिए पुस्तकालय, संकाय, अनुसंधानकर्त्ताओं, प्रशासकों नीति-निर्माताओं तथा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के भागीदारों को नवीनतम सूचनाएं प्रदान करता है और अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवा के जरिए दूसरे संगठनों को भी पुस्तकालय सेवा प्रदान करता है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र सोमवार से शनिवार तक खोला जाता है।

उद्देश्य

पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य संकाय, शोधार्थियों तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले प्रशासकों तथा नीति निर्माताओं को नवीनतम सूचनाएं उपलब्ध कराना है। पुस्तकालय विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण संसाधन तथा अधिगम केंद्र है जो संस्था की संवृद्धि और विकास के लिए पाठकों को अपेक्षित सूचनाएं तथा संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराता है।

न्यूपा शैक्षिक योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केन्द्र है। इसके पुस्तकालायों में आधुनिकतम पठन-पाठन सामग्री, कंप्यूटर सुविधाएं तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाएं जैसे संस्था में शिक्षण - अधिगम और शोध की गतिविधियों को ऑनलाइन संसाधन और आंकड़ा आधार प्रदान करता है। पुस्तकालय प्रलेखन केन्द्र कुछ महत्वपूर्ण सीडी-रोम और ऑनलाइन आंकड़ा-आधार भी मंगवाता है।

प्रयोक्ता और कार्यदिवस

न्यूपा पुस्तकालय अपने संकाय/स्टाफ, शोधार्थियों तथा देश-विदेश के विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण/डिप्लोमा कार्यक्रम के प्रतिभागियों तथा अन्य मानद संकाय की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करता है। पुस्तकालय का प्रमुख पुस्तकालयाध्यक्ष है जिनकी सहायता के लिए दो व्यावसायिक सहायक तथा अन्य सहयोगी स्टाफ हैं जो पाठकों की विभिन्न प्रकार से मदद करते हैं।

पुस्तकालय का कार्य दिवस निम्नवत है:

पुस्तकालय - सोमवार से शुक्रवार - प्रात: 9.00 बजे से सायं 8.00 बजे तक
शनिवार प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक

प्राप्तियां और संग्रह

समीक्षित काल में पुस्तकालय में 903 नए पुस्तकों/दस्तावेजों का संग्रह किया गया। वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र के पास संयुक्त राष्ट्र, युनेस्को, ओ.ई.सी.डी, आई. एल. ओ, यूनिसेफ, विश्व बैकं आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोटों इत्यादि के अलावा 56292 पुस्तकों का संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर 241 राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय जर्नल एवम्

पत्रिकाएं मंगाईं। इन पत्र–पत्रिकाओं से 1500 प्रमुख आलेखों का सूचीकरण किया गया। पाठकों की सुविधा हेतु संग्रह को चार खण्डों में विभाजित किया गया है – (1) सामान्य (2) संदर्भ (3) श्रृंखला, और (4) क्षेत्र अध्ययन संग्रह

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में पुस्तकों का संग्रह

क्र.सं.	**वर्ष 2009-10 में प्राप्त**	**कुल संग्रह**	
पुस्तकें और अमुद्रित सामग्री			
1.	पुस्तकें/प्रलेख	506	56292
2.	उपहार में पुस्तकें	397	
3.	अमुद्रित सामग्री	48	180
जर्नल तथा अन्य पत्रिकाएं			
1.	विदेशी	124	
2.	भारतीय	52	
3.	विनिमय	42	
5.	पत्रिकाएं	15	
6.	जिल्द (पीरियाडिकल्स)		P, 6231

सेवाएं

समसामयिक ज्ञान

शिक्षा–जर्नल : हर पखवाड़े में आने वाली शैक्षिक पत्रिकाओं के लेखों के बारे में पाठकों को जानकारी देते रहने के लिये पुस्तकालय ने अपना पाक्षिक अनुलेखित प्रकाशन – *पीरियाडिकल्स आन एजुकेशन : टाइटिल्स रिसीव्ड एंड दियर कंटेंट* का प्रकाशन जारी रखा।

न्यूपा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र की प्राप्तियां : पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में आनेवाले प्रकाशनों की कंप्यूटर से मासिक सूचियां भी तैयार की जाती हैं ताकि इससे पाठकों को उनकी रुचि के दस्तावेजों, लेखों और नई सामग्रियों की जानकारी मिलती रहे।

चुनिंदा सूचनाओं का प्रसारण : पुस्तकालय ने संस्थान के अकादमिक विभागों और शोध-परियोजनाओं के अध्ययन दलों को नई सूचनाएं उपलब्ध कराई ताकि वे उसका उपयोग कर सकें।

संदर्भ-सूची : इस अवधि में पुस्तकालय ने संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के लिए संदर्भ सूचियां तैयार कीं।

फोटोकॉपी : आलेख और रिपोर्ट जैसे संदर्भ सामग्री हेतु उपयोगकर्त्ताओं को भुगतान के आधार पर फोटोकापी सुविधा प्रदान की गई।

पत्रिकाओं का संग्रह : समीक्षाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने 6,231 जर्नलों को उपयोगकत्ताओं को सूचना प्रदान करने के लिए जिल्द में तैयार किए।

ऑन लाइन जर्नल : वर्ष के दौरान तीन आन लाइन डाटाबेस - एलजेवियर डाटाबेस, सेज एजुकेशनल डाटाबेस और जे स्टोर की खरीद की गई।

अमुद्रित सामग्री : यह पुस्तकालय एक बहुमाध्यमी संसाधन केंद्र है। इसमें वीडियों कैसेटें, आडियो कैसेटें, फिल्मों, माइक्रो फिल्मों और माइक्रोफिंचों का एक संग्रह भी मौजूद है।

पुस्तकालय नेटवर्क

पुस्तकालय पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है पुस्तकालय के सभी डाटाबेस के संग्रह हेतु लिबसेस साफ्टवेयर (5.7.2) का प्रयोग किया जाता है। जो कि एक समेकित बहु-प्रयोक्ता पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली है। लिबसेस में माड्यूल सूचीकरण, प्राप्ति, वितरण, श्रृंखला, आलेख सूचीकरण तथा ओपेक सम्मिलित हैं। उपलब्ध पुस्तकों के आंकड़ा-आधार को मौजूदा प्राप्त पुस्तकों के विवरण के अनुसार अद्यतन बनाया जाता है।

ओपेक - वेब ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलाग) पुस्तकालय लैन के द्वारा संकाय को उनके डेस्क पर ही संदर्भ सूची संबंधी आंकड़ा ढूढ़ने में मदद करता है। वेब ओपेक पुस्तकालय की नवीनतम प्राप्तियों की सूची भी प्रयोक्ता को सुलभ करता है और साथ ही उन्हें प्रयुक्त सामग्री और उपयोगी सामग्री को आरक्षित करनेकी सुविधा भी उपलब्ध करता है।

न्यूपा पुस्तकालय/प्रलेखन केंनद्र 1995 से डेलनेट से संबद्ध है जो राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संसाधनों के साझे उपयोग को बढ़ावा देता है। इससे निम्नांकित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

ऑनलाइन सुलभता - भारत में 1879 पुस्तकालयों की पुस्तक सूची सुलभ है और इन 1879 पुस्तकालयों को न्यूपा पुस्तकालय की पुस्तक सूची भी आनलाइन उपलब्ध है।

ई-मेल - अखिल भारतीय स्तर पर 1879 संस्थान जुड़े हुए हैं। इस सुविधा के होने से न्यूपा संकाय कम से कम समय में प्रयोक्ताओं की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा कर सकता है।